शल्य चिकित्सा विभाग, के0जी0एम0यू0 के 107 वें स्थापना दिवस पर आयोजित छह दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम के चौथे दिन बडी आँत, गुदानाल, गुदा व रक्त वाहिकाओं से सम्बन्धित बीमारियों पर संगोष्ठी हुई आयोजन सचिव डा0 संजीव कुमार ने बताया कि कार्यक्रम की पहली चर्चा बावासीर/भगंदर/नासूर पर विशेषज्ञ डा0 अरशद अहमद के द्वारा की गयी जिन्होने इन बीमारियों के इलाज की विभिन्न एडवॉस तिथियों के बारे में बताया जो कि वर्तमान में शल्य चिकित्सा विभाग में मौजूद हैं।

बी0एच0यू0 के प्रोफेसर ऐ0के0 खन्ना व डा0 पुनीत ने क्रमशः डी0वी0टी0 व जी0आई0 फिस्टुला के बारे में छात्रों का ज्ञानवर्धन किया।

पुणे के डा0 सुनील होंकलास ने छात्रों को मरीजों के न्यूट्रीशन के तरीकों के बारे में जानकारी दी।

प्रोफेसर देवेन्द्र सिंह एवं के0जी0एम0यू0 के डा0 जितेन्द्र कुशवाहा ने क्रमशः पेरिफिरल धमनियों व पैरो की शिराओं की सूजन (वैरिकोज वेन) के इलाज की बारीकियों से छात्रों को अवगत कराया।

कमांड हास्पिटल के (कर्नल) डा0 आनन्द एवं टाटा मेमोरियल हास्पिटल मुम्बई के डा0 कमलेश वर्मा ने क्रमशः बडी आँत व मलाशय के कैंसर के उपचार की विभिन्न विधियों के बारे में चर्चा की ।

के0जी0एम0यू0 के गैस्ट्रो मेडिसिन विभाग के डा0 सुमित रूगटा व पैथोलॉजी विभाग की डा0 प्रीती अग्रवाल ने क्रमशः दूरबीन विधि से अमाशय की जाँच (इनडोस्कोपी) व विभिन्न गाँठो को सुई द्वारा जाँच (एफ0एन0ए0सी0, बायोप्सी) की बारीकियाँ समझाई।

मध्याहन में कलकत्ता के डा0 एच0 एस0 हीरा ने छात्रों को ओपेन व दूरबीन विधि से टॉके लगाने व ऑपरेशन करने की बारिकियों लैपारास्कोपिक सूचरिंग एवं नौटिंग वर्कशाप में बतायी।